

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

२८१

ॐ

श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितप्रणीता

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

हिन्दीव्याख्यानुवाद-प्रयोगसिद्धि-सूत्रव्याख्योपेता

(स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्)

व्याख्याकार

डॉ० बाल गोविन्द झा

रीडर एवं अध्यक्ष : संस्कृत-विभाग

स० व० पटेल महाविद्यालय, भभुआ (बिहार)



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी

अकारादि क्रम से स्त्रीप्रत्यय के प्रयोगों की सूची

| प्रयोग | पृष्ठसंख्या | प्रयोग | पृष्ठसंख्या |
|-------------|-------------|--------------|-------------|
| अकेशा | १०३ | उपत्यका | २७ |
| अजका | ३७ | ऊरुदधनी | ४४ |
| अजा | ८ | ऊरुद्वयसी | ४४ |
| अजिका | ३७ | ऊरुभिन्नी | ९३ |
| अतिकेशा | ९८ | ऊरुमात्री | ४५ |
| अतिकेशी | ९८ | एकपदा | १७ |
| अतिधीवरी | १३ | एनी-एता | ७५ |
| अतिसुत्वरी | १३ | एषका | ३६ |
| अत्युधनी | ६२ | एषिका | ३६ |
| अधित्यका | २७ | ऐन्द्री | ४४ |
| अन्तर्वन्ती | ६७ | ओदनपाकी | ११२ |
| अभ्रलिप्ती | ९२ | औत्सी | ४४ |
| अमूला | ७ | औदमेयी | ११३ |
| अवावा | १४ | औपगवी | ११० |
| अशिष्वी | १०७ | कद्रूः | १२० |
| अष्टका | ३० | कनिष्ठा | ६ |
| अष्टिका | ३० | कन्यका | २९ |
| आक्षिकी | ४५ | कर्त्री | ९ |
| आढ्यङ्करणी | ४७ | करभोरुः | ११७ |
| आम्बष्ठ्या | १२२ | कल्माषी | ७७ |
| आर्यका | ३२ | कल्याणक्रोडा | १०२ |
| आर्यिका | ३२ | कात्यायनी | ५१ |
| आवट्या | १२३ | कारिका | २४ |
| आसुरायणी | ५३ | कारीषगन्ध्या | १२२ |
| इत्वरी | ४६ | कुण्डा | ८२ |
| इहत्यिका | २५ | कुण्डी | ८२ |

| प्रयोग | पृष्ठसंख्या | प्रयोग | पृष्ठसंख्या |
|-------------|-------------|----------------|-------------|
| कुण्डोष्नी: | ६१ | जीवका | २७ |
| कुमारी | ५४ | ज्ञका | ३७ |
| कुरुचरी | ४३ | ज्ञिका | ३७ |
| कुरु: | ११४ | ज्येष्ठा | १ |
| केवली: | ६६ | तकाम् | २७ |
| कोकिला | ६ | तटी | ११० |
| कौरव्यायणी | ५२ | तरुणी | ४७ |
| क्रुञ्चा | ६ | तलुनी | ४७ |
| क्षिपका | २८ | तारका | २९ |
| खट्वा | ८ | त्रिलोकी | ५५ |
| गङ्गाका | ३९ | त्रिहायणी | ६४ |
| गङ्गाका | ४० | तुङ्गनासिका | १०१ |
| गङ्गिका | ३९ | तुङ्गनासिकी | १०१ |
| गवयी | ११० | दण्डिनी | ९ |
| गार्गी | ४९ | दाक्षिणात्यिका | २५ |
| गार्ग्ययिणी | ५० | दाक्षी | ११२ |
| गृहपति: | ७० | दित्यौही | १०६ |
| गृहपत्नी | ७० | द्वके | ३७ |
| गोपी | ८७ | द्विकम्बल्या | ५७ |
| गौरमुखा | १०४ | द्विकाण्डा | ५८ |
| गौरी | ७८ | द्विके | ३७ |
| चटकका | ३३ | द्विदाम्नी | ६३ |
| चटकिका | ३३ | द्विपदा | १७ |
| चतुर्हायणी | ६४ | द्विपदी | १५ |
| चन्द्रमुखा | ९८ | द्विपाद् | १५ |
| चन्द्रमुखी | ९८ | द्विपुरुषा | ५९ |
| चिरण्टी | ५५ | द्विपुरुषी | ५९ |
| चौरी | ४६ | द्विविस्ता | ५७ |
| जानपदी | ८२ | द्विहायनी | ६३ |

| | पृष्ठसंख्या | प्रयोग | पृष्ठसंख्या |
|--------------|-------------|--------------|-------------|
| योग | | | २१ |
| याचिता | ५७ | बहुराजा | २१ |
| घृष्नी | ६२ | बहुराजी | ८६ |
| वका | २८ | बह्वी-बहुः | ११५ |
| बदतिका | २८ | भद्रवाहूः | २८ |
| वका | २९ | भवका | ११ |
| रिका | २४ | भवती | ११ |
| तंकी | ७८ | भवन्ती | ४ |
| दी | ४३ | भस्त्रफला | ८०, १११ |
| तर्भस्त्रका | ३६ | सत्सी | ६ |
| तर्भस्त्रिका | ३६ | मध्यमा | ७३ |
| तःस्वका | ३८ | मनायी | ७३ |
| तःस्विका | ३८ | मनावी | ७३ |
| ारी | १२१ | मनुः | १११ |
| ङ्गुः | ११६ | मनुषी | ५३ |
| चन्ती | ११ | माण्डूकायनी | २४ |
| श्चतयी | ४५ | मामिका | ११० |
| श्चाजी | ८ | मुकयी | ८५ |
| तिवत्नी | ६८ | मृद्धी-मृदुः | २६ |
| त्नी | ६८ | यका | २७ |
| शकपुष्पा | ५ | यकाम् | ४५ |
| शङ्मुखी | १०५ | यादृशी | १२४ |
| सूतक्रतायी | ७२ | युवतिः | १२४ |
| रीतिमाष्या | १२२ | युवती | १२४ |
| रीस्नी | ४६ | राजयुध्वा | १४ |
| बहुधीवरी | १५ | रोहिणी | ७६ |
| बहुधीवा | १५ | रोहिता | ७६ |
| बहुयज्वा | १९ | लक्षणोरुः | ११९ |
| बहुयज्वानौ | १९ | लावणिकी | ४५ |
| बहुयुवा | १२५ | लौहित्यायनी | |

(८)

| प्रयोग | पृष्ठसंख्या | प्रयोग | पृष्ठसंख्या |
|----------------|-------------|-------------------|-------------|
| वधूटी | ५५ | सत्पुष्पा | ५ |
| वर्णका | २९ | सपत्नी | ७१ |
| वर्तका | २९ | सम्फला | ४ |
| वस्त्रक्रीती | ९१ | सविका | २३ |
| वामोरुः | ११९ | सारङ्गी | ७७ |
| विद्यमाननासिका | १०३ | सीमा, सीमानौ | १८ |
| वृषली | ११० | सीमा, सीमे-सीमानौ | २० |
| वृषाकपायी | ७३ | सुकेशा | १०३ |
| वैदी | १२१ | सुजघना | १०२ |
| शफोरुः | ११८ | सुनयिका | ३३ |
| शर्वरी | १४ | सुपाकिका | ३३ |
| शाक्तीकी | ४६ | सुराज्ञी | ६५ |
| शार्कराक्ष्या | १२२ | सुरापीता | ९४ ना |
| शार्ङ्गरवी | १२० | सुरापीती | ९४ के |
| शूर्पणखा | १०४ | सूतका | ३० क |
| शोणी | ८३ | सूतिका | ३० |
| शोणा | ८३ | सूर्या-सूरी | ८७ |
| श्वश्रूः | ११६ | सौपर्णेयी | ४३ |
| संहितोरुः | ११८ | स्त्रैणी | ४६ उत |
| सका | २७ | हयी | ११० र |
| सखी | १०७ | | ब्रा |